Manufacture of Colour T.V. Components

2977. SHRI V. S. VIJAYA-RAGHAVAN : Will the PRIME MINISTER be pleased to state ;

(a) whether the Department of Electronics has made a proposal for the manufacture of important components of colour TV ;

(b) if so, the actual cost involved in manufacturing the same ;

(c) whether Government have decided to manufacture these components in India ; and

(d) if so, the details thereof ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE DEPARTMENT OF ELECTRONICS (SHRI M. S. SANJEEVI RAO) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) and (d). There is a project approved and Letter of Intent issued for the manufacture of colour TV picture tubes in the State of Punjab. This involves a total outlay of about Rs. 40 crores. The capacity will be 4 lakhs colour TV picture tubes per year. Details of know-how and plant are still being finalised.

नई तकनीकी तथा वैज्ञानिक नीति तैयार करना

2978. श्री चतुर्भुज : क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश की परिस्थितियों के अनुसार कोई नई तकनीकी तथा वैज्ञानिक नीति तैयार की गई है ताकि प्रयोगशालाओं और उद्योगों के बीच समन्वय हो सके तथा विचारों का आदान प्रदान हो सके और विश्व भर की प्रौद्योगिकी की रफ्तार को देखते हुए देश की आवश्यकताओं को यथा-सम्भव शीघ्र पूरा किया जा सके ;

(ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्योरा क्या है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी, इलैक्ट्रानिकी तथा पर्यावरण और महासागर विकास विभागों में राज्य मंत्री (श्री सी० पी० एन० सिंह) : (क) और (ख) सरकार विज्ञान और प्रौद्योगिकी के समर्थन के प्रति प्रतिबद्ध है जैसाकि 1958 में सरकार द्वारा अपनाए गए वैज्ञानिक नीति संकल्प में परिकल्पना की गई है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में क्षमताओं में वृद्धि करने के लिए तथा देश के लिए महत्वपूर्ण अनुसन्धान तथा विकास कार्यक्रमों/परियोजनाओं के समर्थन में छठी योजना के दौरान अत्यधिक पूंजी निवेश भी किया जा रहा है। छठी योजना अवधि के लिए अनुसन्धान तथा विकास में कुल पूंजी-निवेश 3367 करोड़ रुपये का है।

नेशनल रिसर्च डिवलपमेंट कार्पोरेशन (एन० आर० डी० सी०) को अनुसन्धान प्रयोगशालाओं द्वारा किए गए उन्नत कार्य को उद्योगों के माध्यम से वास्तविक उपयोग को हाथ में लेने का कार्य सौंपा गया है। 1000 से भी अधिक ऐसे डिजाइनों और प्रक्रियाओं को एन० आर० डी० सी० द्वारा हाथ में लिया गया है और 400 से भी अधिक वस्तुओं को औद्योगिक एककों द्वारा उपयोग में लाया जा रहा है और इसी प्रकार के अन्य कार्य किये जा रहे हैं। प्रयोग-शालाओं और उद्योगों के बीच के ये सम्पर्क कई वित्तीय प्रोत्साहनों के माध्यमों से और आगे बढ़ाए जा रहे हैं। उद्योग, विश्व-विद्यालयों और सरकारी प्रयोगशालाओं में